

III Test

Ans 1 ⇒ DFD model [Data Flow Diagram]

- DFD model के द्वारा System Information से गुजरने वाले Data के Flow का Graphical Representation है।
- DFD के द्वारा System SW द्वारा Data के Flow को Graphically Represent किया जाता है।
- Data flow Diagram से किसी भी System के Process का overview दिया जाता है। कि Data कहाँ से कहाँ तक flow हो रहा है। व वह कहाँ store होगा। इस सभी की Information frequently provide की जाती है।

⇒ Notation of DFD model ⇒ DFD model को निम्न Notation के द्वारा Graphical रूप से Represent किया जाता है।



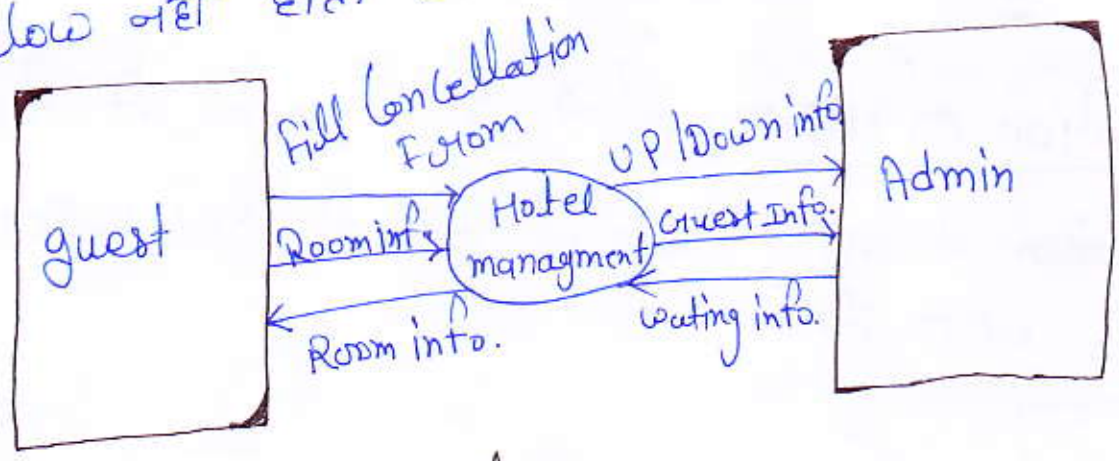
Q.2 What is DeComposition ⇒ DeComposition में Context Diagram को और Detail में Describe किया जाता है।

⇒ Context Diagram का और Detail में Represent किया जाता है। Graphical View DeComposition Level में आता है।

⇒ DeComposition Level में Sub Process व उसके उसके जितने भी Sub Process होते हैं, उसको detail में Represent करके उसे check किया जाता है।

→ DeComposition में किसी भी Process के जितने भी Child to Child Node होते हैं, उन्हें detail में Describe करके Graphically Represent किया जाता है तथा उसे check किया जाता है।

→ DeComposition के द्वारा जो भी Process Continuously Flow नहीं होती है, उन्हें Describe किया जाता है।



Data Flow Diagram

External Entitys → यह External Entitys विभिन्न प्रकार की Entitys को Define करता है।

Process → यह किसी भी Process को Define करता है।

Data flow → यह किसी भी Data के flow को Define करते हैं।

Data Store → यह किसी भी Data के Storage को Define करता है।

Q. Explain Coupling.

Ans → Coupling → Coupling एक वह Technic होती है। जिसके द्वारा दो Modules की Relationship को Show करता है।

→ Coupling 6 Type की होती है →

1. Content Coupling
2. Common Coupling
3. Control Coupling
4. Message Coupling
5. Data Coupling
6. External Coupling

1. Content Coupling → जब हम एक Module में कोई Changes करते हैं तो दूसरे Module में भी Changes हो जाता है। अतः हम कह सकते हैं कि ये दो Modules जो आपस में Connected होते हैं, उनमें Content Coupling की जाती है।

2. Common Coupling → जब दो Modules के बीच में Global Data को Share किया जाता है। तो उन दो

Modules के बीच Common Coupling होती है।

3.7 Control Coupling → जब दो Modules के बीच में Data के flow को Control किया जाता है।

4.7 Message Coupling → जब दो Modules के मध्य Data को Share Message Passing के द्वारा किया जाता है।

5.7 Data Coupling → जब दो Modules के बीच Same Data को Share किया जाता है तो उसे Data Coupling कहते हैं।

6.7 External Coupling → जब दो Modules के बीच External Exposable Data को Share किया जाता है।

→ Cohesion → यह दो Technic Modules के बीच ऊपर के Relation Ship को Share करता है।

Cohesion 5 प्रकार के होते हैं →

1.7 Communication → यह दो Modules के बीच में Data को Send करता है।

2.7 Function → यह Modules की Functionality को दूसरे Modules की Functionality को बताता है।

3.7 Logical Cohesion → यह Modules के Logical Connection को बताता है।

4.7 Sequential → यह Data को Sequentially Define करता है।

5.7 Procedure → यह Data को Recidate करता है।